अक्टूबर 2024

TECH की बात

अंक 3

संस्करण - 10

स्वच्छता ही सेवा है

IIT KANPUR
INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR
STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

गुरु

मंत्र

तरूण भार्गव

रणनीति, योजना, वित्तपोषण, शासन, जोखिम,
नकदी प्रवाह प्रबंधन

व्यवसाय और संगठन का प्रबंधन

संस्थापक प्रायः किसी क्षेत्र विशेष का अत्यंत गहन, सुस्पष्ट एवं अनुभवजन्य ज्ञान लेकर अपने उद्यम की आधारशिला रखते हैं। वे उत्पादों का निर्माण करते हैं, उन्हें बाज़ारों में प्रविष्ट करते हैं, बिक्री में संलग्न होते हैं व ग्राहकों के साथ संवाद स्थापित करते हैं तथा परिचालन का प्रबंधन करते हैं। हालांकि, जैसे-जैसे एक स्टार्टअप का विस्तार होता है, बढ़ते कार्यभार को संभालने के लिए संस्थापकों को अधिक समय की आवश्यकता हो सकती है। ऐसे में, कार्यों को आंतरिक रूप से संभालना या बाहरी संसाधनों का आश्रय लेना एक महत्वपूर्ण निर्णय बन जाता है।

सामान्यत: यह सलाह दी जाती है कि मुख्य कार्यों के अतिरिक्त अन्य कार्यों को बाहरी संसाधनों द्वारा संपादित किया जाए,परन्तु आउटसोर्सिंग का परिमाण उन कारकों पर निर्भर करता है, जैसे नकदी प्रवाह, अपेक्षित धनराशि और लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावना। यह आवश्यक है कि निर्णय वस्तुनिष्ट व तथ्यात्मक आधार पर किए जाएं, न कि भावनाओं के आधार पर। यदि आपके पास एक से अधिक संस्थापक है, तो उनके अनुभवों और विचारों का लाभ उठाना और अनुभवी पेशेवरों से सलाह लेना आपकी निर्णय प्रक्रिया को अधिक मजबूत बना सकता है और सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर सकता है।

प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (Key Performance Indicators) को समझना और उनका उपयोग करके इच्छित परिणामों को प्राप्त करना आवश्यक है। एक सुव्यवस्थित योजना, जिसमें प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (KPI), महत्वपूर्ण लक्ष्य और कार्य सूची शामिल हो, जो व्यापार के मार्गदर्शन के लिए अत्यंत आवश्यक होती है। व्यापार के विकास के साथ योजना में नियमित रूप से अद्यतन और संशोधन करना आवश्यक होता हैं।

- ☑ टीम के सदस्य प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों के (KPI) प्राप्ति में पूर्ण रूप से संग्लन हो और महत्वपूर्ण लक्ष्यों और कार्यों को मार्गदर्शित करने के लिए निवेशकों की प्रतिबद्धताओं का उपयोग करें।
- ☑ लाभ -हानि, बैलेंस शीट और नकदी प्रवाह के पूर्वानुमानों के साथ एक व्यापक योजना बनाएं।
- ☑ परिवर्तित परिस्थितियों के अनुसार योजना को नियमित रूप से अद्यतन और संशोधित करें।
- ☑ हितधारकों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखें और उत्पाद विकास, बिक्री और ग्राहकों से प्रतिक्रिया एकत्र करें।
- ☑ संभावित जोखिमों की पहचान करें और उनके लिए निवारण रणनीतियाँ विकसित करें।

डेलीगेशन (कार्य वितरण) एक स्टार्टअप को विस्तारित करने की कुंजी है । उचित लोगों को कार्य सौंपें, स्पष्ट भूमिकाएं और जिम्मेदारियां प्रदान करें, और नियमित समीक्षा करें। याद रखें, अधिकार हस्तांतरण किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही नहीं। एक सुविचारित योजना और कार्यों के व्यवस्थित संकलन द्वारा टीम में ऐसा सामंजस्य स्थापित करें जो सभी को व्यावसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अविचलित रूप से प्रेरित रखें। सलाहकार मंडल के गठन पर विचार करें और मूल्यवान सुझावों के लिए नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करें। औपचारिक बोर्ड बैठकें व्यवसाय को सही दिशा में बनाए रखने और आवश्यक सुधार करने में मदद कर सकती हैं। आवश्यकतानुसार विशेषज्ञों को नियुक्त करने में संकोच न करें। कार्यों के संतुलित वितरण और प्रभावी क्रियान्वय के माध्यम से संस्थापक रणनीतिक पहलों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जिससे एक मजबूत और स्थायी स्टार्टअप का निर्माण संभव हो पाता हैं।

विषय - सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में अक्टूबर माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05

नवप्रवर्तकों से बात

यह खंड हमारे पाठकों को वर्तमान में एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेशन के तहत विशिष्ट, नवीन प्रौद्योगिकियों में से एक से परिचित कराता है। क्रांतिकारी प्रगति और परिवर्तनकारी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानने के लिए इस खंड को पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 06

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में निर्धारित आगामी अनुदानों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का अन्वेषण करें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

नवीन इन्क्यूबेशन

सोल्वो सेलटेक प्राइवेट लिमिटेड

सुदर्शन नारायणन और जसप्रीत कौर द्वारा स्थापित की गई है, और यह कंपनी धातु और खनिज उद्योग के क्षेत्र में कार्यरत है। कंपनी के प्राथमिक व्यवसाय में लिथियम-आयन और सोडियम-आयन बैटरियों के लिए एनोड, कैथोड और इलेक्ट्रोलाइट सामग्री का उत्पादन और बिक्री शामिल है। इस प्रक्रिया में, कंपनी अपने स्वामित्व वाली तकनीकों और विशेष रूप से विकसित प्रक्रियाओं का उपयोग करती है।

आइवा न्यूरो प्राइवेट लिमिटेड

अर्जुन रामकृष्णन और कौस्तुभ देशपांडे द्वारा स्थापित एक स्टार्टअप है। यह कंपनी ऐसी प्रक्रियाओं का विकास और परीक्षण करती है, जिसमें पॉलीमाइड विनिर्माण, पॉलीमाइड माइक्रोइलेक्ट्रोड और ईसीओजी (ECoG) या ईएमजी (EMG) अनुप्रयोगों के लिए कस्टम प्रिंटेड सर्किट बोर्ड शामिल है। यह कंपनी माइक्रोफैब्रिकेशन पर अनुसंधान भी करती हैं और माइक्रो इलेक्ट्रो मेकैनिकल सिस्टम (एमईएमएस) और अल्ट्रा-फ्लेक्सिबल पॉलिमर थिन फिल्मों (अत्याधिक लचीले पॉलिमर व पतली परतों) के माध्यम से न्यूरल तंत्रिका माइक्रोइलेक्ट्रोडस तैयार करने की दिशा में कार्य कर रही है, जिससे न्यूरल संवृद्ध (neun-connected) भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सके हैं।

अनंत सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड

विनोद कुमार तरुण और सरिता सिंह द्वारा स्थापित स्टार्टअप है, जिसका उद्देश्य भारत में एक अग्रणी सेमीकंडक्टर और वायरलेस सिस्टम कंपनी स्थापित करना है, जो 5जी और 6जी बुनियादी ढांचे में उन्नत कनेक्टिविटी, कंप्यूटिंग और सुरक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। वे 5G और 6G बेस स्टेशनों के कार्यान्वय के लिए एक चिपसेट-आधारित, अत्यधिक स्केलेबल सॉफ़्टवेयर आधारित मॉडेम को विकसित कर रहे हैं। उनकी सेवाओं में भारत में विकसित और स्वामित्व वाले चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर उत्पाद, सॉफ्टवेयर और सिस्टम्स शामिल हैं।

अंक - 03 | संस्करण -10 | अक्टूबर2024

21 सितंबर 2024

स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी), आईआईटी कानपुर और आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क ने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। प्रोफेसर दीपू फिलिप (एसआईआईसी) और श्री सुभ्रांगशु सान्याल (आईआईएमसीआईपी) द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू का उद्देश्य स्टार्टअप विकास के समर्थन में दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। समारोह में दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस साझेदारी का उद्देश्य स्टार्टअप्स को सशक्त करने और प्रभावशाली नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक समृद्ध और सक्रिय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

और पढ़ें

कार्यक्रम

की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर ने हाल ही में आईआईटी कानपुर के नोएडा आउटरीच सेंटर में 19 सितंबर, 2024 को आयोजित एक सफल हाइब्रिड-मोड GeM (Government e Market Place) कार्यशाला का समापन किया। इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण GeM पोर्टल पर एक स्टार्टअप का लाइव पंजीकरण था, जिसने इस प्लेटफ़ॉर्म की सुगमता और व्यापारिक विकास की असीम संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया।

और पढ़ें

24 सितंबर को, एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर ने एंजेल निवेश के मूल सिद्धांतों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस सत्र का संचालन सुश्री वत्सला खरे द्वारा किया गया, जिसमें ईज़ीगव (EasyGov) के संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्री अमित शुक्ला ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। इस सत्र ने निवेशकों की अपेक्षाओं, तैयारी की रणनीतियों और सामान्यतः होने वाली गलतियों पर मूल्यवान जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का उद्देश्य उद्यमियों को सफलतापूर्वक एंजेल निवेश परिदृश्य को समझने और सफलतापूर्वक उसमें अपनी राह बनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

और पढ़ें

25 सितंबर, 2024 को, उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग (यूपीएलसी) द्वारा समर्थित चार एसआईआईसी (SIIC)-इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 में अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इनमें एंड्योरएयर, लाइफ एंड लिंब, सिमदास ऑटोनॉमी और गुडग्राम्स शामिल थे। एंड्योरएयर और लाइफ एंड लिंब को आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा और एमएसएमई मंत्री श्री राकेश कुमार सचान के समक्ष अपने उत्पाद प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ। इन दोनों स्टार्टअप्स और एसआईआईसी (SIIC) को स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सराहा गया।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर ने मेडटेक स्टार्टअप्स के लिए व्यावहारिक सीएडी (CAD) डिजाइन कार्यशाला की सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम 26 सितंबर को स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर, आईआईटी कानपुर में आयोजित हुआ, जिसमें अभियांत्रिकी रेखा चित्रों का विस्तृत अवलोकन और ऑटोडेस्क इन्वेंटर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। एसआईबी शाइन (SIB SHInE) बायोडिज़ाइन कार्यक्रम के प्रतिभागी और मेडटेक क्षेत्र के अन्य सदस्यों ने इस कार्यशाला में अत्यंत रूचि दिखलाई, जिससे उन्हें अपनी नवाचारी परियोजनाओं के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और प्रेरणा मिली।

और पढ़ें

स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर, एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने 1 अक्टूबर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान में सहभागिता की। "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" थीम के साथ, आईआईटी कानपुर और नोएडा आउटरीच सेंटर की टीमों ने मिलकर परिसर की सफाई की, जिससे एसआईआईसी (SIIC) की एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पुनः प्रकट हुई।

और पढ़ें

कार्यक्रम

की झलकियां

2 अक्टूबर, 2024 को एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में स्वच्छ भारत की 10वीं वर्षगांठ में भागीदारी की। इस समारोह का आयोजन जल शक्ति और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालयों द्वारा किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य गणमान्य अथितियों नेअपनी उपस्थिति दर्ज की। प्रधानमंत्री मोदी ने सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) केंद्रित स्टार्टअप्स के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एसआईआईसी (SIIC) ने स्वच्छ भारत दृष्टिकोण के अनुरूप स्वच्छ, सतत भारत के लिए नवाचार को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया।

और पढ़ें

साइबर सुरक्षा जागरूकता माह को अक्टूबर में एक सफल सोशल मीडिया अभियान के साथ मनाया गया, जिसने महत्वपूर्ण भागीदारी हासिल की। इस अभियान के मुख्य आकर्षणों में आईआईटी कानपुर के साइबर सुरक्षा नवाचारों पर प्रोफेसर संदीप शुक्ला की विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि, साइथैक और ट्रेकल जैसे उल्लेखनीय स्टार्टअप्स के प्रशंसा विवरण और साइबर सुरक्षा में उभरती प्रवृतियों पर आयोजित सम्मेलन (CCETC 2024) में उत्पाद लॉन्च का विस्तृत कवरेज शामिल था।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने नई दिल्ली में आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2024 में अपने सात स्टार्टअप्स के अभिनव समाधान प्रदर्शित किए, यह आयोजन 15 से 18 अक्टूबर तक चला। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, यूपी सरकार द्वारा समर्थित इन स्टार्टअप्स जैसे सनमिंट एनर्जी, साइथैक सॉल्यूशंस, ब्रेला, प्रीडॉक.एआई, क्विएस्टेक.एआई, एस्निफ डिवाइसेज और हैकलैब सॉल्यूशंस ने एआई (AI), 5जी, आईओटी (IoT) और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अपनी प्रगति का प्रदर्शन किया, जो उनके उद्योगों में क्रांतिकारी बदलाव लाने और जीवन को उन्नत बनाने की क्षमता को उजागर करता है।

और पढ़ें

14 से 16 अक्टूबर तक, एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर ने "एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग: अनलॉकिंग एंटरप्रेन्योरियल अपॉर्चुनिटीज" नामक तीन दिवसीय कार्यशाला की सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित अतिथियों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने बहुमूल्यअंतर्दृष्टियां साझा की। उल्लेखनीय वक्ताओं में प्रो. नीरज सिन्हा, श्री फ़राज़ फारूकी, डॉ. विनय कृष्णा, श्री दिनेश तिवारी और डॉ. जी.डी. अग्रवाल शामिल थे, जिन्होंने प्रतिभागियों के लिए एक उपयोगी और प्रेरणादायक अनुभव प्रदान किया।

और पढ़ें

एपीरो एनर्जी

को रिन्यूएबल वॉच मैगज़ीन के सितंबर अंक में "अप एंड कमिंग" श्रेणी में प्रकाशित किया गया। इस लेख में हमारी भविष्य की विकास योजनाओं पर चर्चा की गई है। हाल में शुरू की गई 10 किलोवाट का "आईविंड हाइग्रिड" पवन-सौर हाइब्रिड सामुदायिक परियोजना का विशेष उल्लेख किया गया है। यह अभिनव माइक्रोग्रिड महाराष्ट्र के मुंबई के समीप स्थित एक छोटे से गाँव में 110 निवासियों को स्थायी ऊर्जा प्रदान करता है।

और पढ़ें

फ्रुवेटेक

जो एसआईआईसी-इनक्यूबेटेड स्टार्टअप है, ने प्रतिष्ठित सीसीएएमपी केटेक बायोटेक एग्रीकल्चर ग्रैंड चैलेंज के दूसरे संस्करण में विजय प्राप्त की है। फ्रुवेटेक की पेटेंट प्रौद्योगिकी, जो फलों और सब्जियों के शेल्फ लाइफ (संग्रहणकाल) को बढ़ाती है। यह तकनीक कृषि में महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं को हल करती है, और खाद्य अपशिष्ट को कम करने के लिए एक प्रभावी समाधान प्रदान करती है।

और पढ़ें

रॉयल बंगाल ग्रीनटेक

ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क द्वारा संचालित ग्रैंड आइडिया हंट, नर्चर कोहोर्ट 2 में द्वितीय उपविजेता का स्थान हासिल किया। उनके पेटेंट नवाचार, भविष्य प्लास्ट और ग्रीज़ी/ग्रीज़ोल, ऑटोमोबाइल उद्योग में सतत विकाश की दिशा में एक नवीनतम दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इन नवाचारों को उनकी क्रांतिकारी क्षमता के लिए व्यापक मान्यता प्राप्त हुई हैं, जो पारंपरिक सामग्रियों की तुलना में न केवल लागत प्रभावी है, बल्कि पर्यावरण के प्रति भी अत्यंत संवेदनशील विकल्प प्रदान करते हैं।

और पढ़ें

आर्क रोबोटिक्स

एसआईआईसी (SIIC) द्वारा समर्थित एक स्टार्टअप, यूनिसेफ (UNICEF) के "समिट ऑफ अवर फ्यूचर" अभियान का सहभागी है। कंपनी अपनी उन्नत रोबोटिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सड़कों, नालों और लैंडफिल की सफाई को स्वचालित करने के लिए काम कर रही है, जिससे एक समावेशी, न्यायसंगत और सुविधाजनक डिजिटल भविष्य बनाने के लिए वैश्विक प्रयासों में योगदान मिल रहा है। यह उपलब्धि स्वच्छ और स्मार्ट शहरों के विकास के लिए उनके नवाचारी समाधानों की महत्ता को रेखांकित करती है।

और पढ़ें

जेनेसिस स्कीम

एसआईआईसी (SIIC), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा शुरू की गई जेनेसिस(GENESIS) योजना का सहभागी है, जो उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप्स को समर्थन और प्रौद्योगिकी प्रगति को बढ़ावा देता है। इस पहल का उद्देश्य भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों में स्टार्टअप्स को खोजने, समर्थन देने और उन्हें तेजी से विकसित करना है। एसआईआईसी उत्तर भारत के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को बढ़ावा देने और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

और पढ़ें

स्कैलिजेंट टेक्नोलॉजीज

स्कैलिजेंट टेक्नोलॉजीज, एक एसआईआईसी (SIIC) इनक्यूबेटेड फिनटेक कंपनी है, जो बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में डिजिटल ऑनबोर्डिंग, केवाईसी प्रक्रियाओं और छवि प्रसंस्करण में विशेषज्ञता के साथ वित्तीय सेवा उद्योग के लिए नवीनतम समाधान प्रदान करती है। मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का उपयोग करके, स्कैलिजेंट ग्राहकों की महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करता है, जिससे सुरक्षा, कुशलता और उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार होता है। नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, यह कंपनी बीएफएसआई क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रही है, जो व्यवसायों को अपने संचालन को व्यवस्थित करने और वित्तीय प्रौद्योगिकी में प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने में मदद कर रहा है।

इस साक्षात्कार में, हमने सह-संस्थापक श्री गौरव सिंह से संवाद किया कि कैसे स्कैलिजेंट बीएफएसआई (BSFI) के भविष्य को नया रूप दे रहा है और व्यवसायों को तीव्र परिवर्तनशील बाजार में सफलत प्राप्त करने के लिए सशक्त बना रहा है।

एसआईआईसी (SIIC): आपका स्टार्टअप कौन सी विशिष्ट मूल्यवान सेवा प्रदान करता है?

गौरव सिंह (जीएस): हमारा प्रमुख उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में असंरचित ग्राहक डेटा से उत्पन्न चुनौती का निराकरण करना है। हमारी समाधान प्रणाली डिजिटल और भौतिक ऑनबोर्डिंग प्रक्रियाओं को इस प्रकार परिकृष्ट करती है कि डेटा स्पष्ट, पठनीय और नियामक मानकों के अनुरूप हो सके। हमारे मशीन-लर्निंग एल्गोरिदम ग्राहक डेटा को न केवल सुव्यवस्थित और सुस्पष्ट बनाते हैं बल्कि बैंकों को अधूरी केवाईसी अनुपालन से जुड़ी संभावित दंडात्मक कार्रवाइयों से भी सुरक्षा प्रदान करते हैं। डेटा प्रबंधन को सुचारु बनाकर, हमारा उद्देश्य ग्राहक क्षरण को न्यूनतम करना और परिचालन में उच्च दक्षता प्राप्त करना है।

एसआईआईसी (SIIC): आप संवेदनशील केवाईसी जानकारी को संभालते समय डेटा सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करते हैं?

जीएस: हम डेटा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्व-स्थापित (ऑन-प्रिमाइस) समाधानों को लागू करते हैं, जिसमें समस्त डेटा प्रसंस्करण (Data Processing) ग्राहक कि अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्टर) के भीतर होता है। यह पद्धिति जोखिमों को न्यूनतम करती है। हम भविष्य में क्लाउड-आधारित सेवाओं के लिए अपनी सुरक्षा क्षमता को सुदृढ़ करने हेतु, प्रमाण पत्र प्राप्त करने करने के लिए प्रयासरत हैं।

एसआईआईसी (SIIC): आप उन तकनीकी उद्यमियों को क्या सलाह देंगे जो उद्योग अनुभव के बिना उद्यम शुरू रहे हैं?

जीएस: एक स्पष्ट, प्रामाणिक समस्या कथन (Problem Statement) यानि समस्या का निरूपण महत्वपूर्ण होता है। किसी ठोस समस्या पर गहन दृष्टि डालें और उसकी व्यापकता को पूर्णतः समझें। क्या आप केवल समस्या के एक लघु हिस्से का समाधान प्रस्तुत कर रहे है या उसके मूल संकट को संबोधित कर रहे हों? यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आप अपनी प्रारंभिक अवधारणा को जटिलताओं से परे सरल रखें। एक व्यवहार्य समाधान के साथ प्रारम्भ करें समय के साथ, ग्राहक प्रतिक्रिया के आधार पर उसे निरंतर परिष्कृत करते जाए। याद रखें, सरलता में अप्रतिम शक्ति होती है, जैसा कि ड्रॉपबॉक्स जैसी कंपनियों ने सिद्ध किया है, जिन्होंने एक बुनियादी आवश्यकता को बेहद प्रभावी ढंग से पूरा किया।

एसआईआईसी (SIIC): क्या आप स्टार्टअप्स के लिए वर्क फ्रॉम होम बनाम ऑफिस आधारित काम पर अपने विचार साझा कर सकते हैं?

जीएस: वर्क फ्रॉम होम (घर से काम करना) उन अनुभवी कर्मचारियों के लिए अत्यधिक प्रभावी हो सकता है, जो स्वयं निर्देशित होते है और अपने कार्यों को स्वतंत्र रूप से संचालित करने में सक्षम होते है। हालांकि नवोदित डेवलपर्स के लिए समय पर संवाद और व्यावहारिक ज्ञानाजर्न में प्रत्यक्ष सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक कार्यालय में, कर्मचारी तुरंत समस्याओं को साझा कर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे सीखने का अधिक सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनता है। इस प्रकार, जबकि दूरस्थ (रिमोटवर्क)कार्य प्रणाली में लचीलापन प्रदान करता है, इसे कार्यालय के समय के साथ संतुलित करना, विशेष रूप से कनिष्ठ (जूनियर) कर्मचारियों के लिए, उनके विकास और कार्यक्षमता को प्रोत्साहित करने में सहायक हो सकता है।

> "एक प्रामाणिक समस्या कथन महत्वपूर्ण है, यह जटिलता नहीं है, बल्कि वास्तविक प्रभाव उत्पन्न करने के बारे में है"
> **.......गौरव सिंह**

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

आसियान-भारत
स्टार्टअप
फेस्टिवल 2024

28 से 30 नवंबर 2024

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

HDFC BANK, ICICI Securities, Godrej, infoedge, CUGL Central U.P. Gas Limited, MCX Metal & Energy, Citi, Capri Global Capital Limited, आरईसी REC, ETS-Lindgren, Standard Chartered, The Consumer Goods Forum, NTT Data, Ansys, Dana, Green Gas Limited, National Informatics Centre Services Incorporated (NICSI), Skoda | Volkswagen, Boehringer Ingelheim, Safexpress, Premji Invest

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

DSIR, Department of Biotechnology, Ministry of Electronics and Information Technology, Department of Science and Technology, Ministry of Housing and Urban Affairs Government of India, बाइरैक birac, Entrepreneur-in-Residence, Government of Uttar Pradesh, Start in UP, ICMR Indian Council of Medical Research, iDEX Innovations for Defence Excellence, SIDAC, sidbi, MSME, MeitY Startup Hub, SBI

ज्ञान

futureskills prime — A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative

DWIH New Delhi — Land of Ideas

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्धक

PELTARION

उद्योग

FICCI, BIS, AiMED — Encouraging Responsible Manufacturing, Association of Indian Medical Device Industry

अंतर्राष्ट्रीय

iit STARTUPS, Singapore Indian Chamber of Commerce & Industry, MEET VENTURES, Toronto Business Development Centre

सेवा

aws, exotel, freshworks

क्लीनिकल

AIG Hospitals, Ruby Hall Clinic, Narayana Health — Health for all. All for health.

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE
IIT KANPUR

अंक - 03 | संस्करण -10 | अक्टूबर 2024

अक्टूबर 2024

TECH की बात

IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

WWW.SIICINCUBATOR.COM

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर, ब्लॉक सी, सेक्टर 62, नोएडा